# PAPER-II
# MAITHILI

**Signature and Name of Invigilator**

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

**J A 0 1 8 1 7**

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **08**

Number of Questions in this Booklet : **50**

## Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
   (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the Test Booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   **Example :** ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

## परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
   (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   **उदाहरण** : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

# MAITHILI
# मैथिली
## PAPER – II
## प्रश्नपत्र – II

**Note :** This paper contains **fifty (50)** multiple-choice questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

**नोट** : एहि प्रश्न-पत्रमे **पचास (50)** बहु-विकल्पीय (Multiple-choice) प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक लेल **दू (2)** अंक निर्धारित अछि । **सभ** प्रश्नक उत्तर देबाक अछि ।

**1.** 'राजकमल' विनिबन्ध लिखने छथि :
(1) महेन्द्र झा (2) चन्द्रधर झा
(3) देवेन्द्र झा (4) हीरेन्द्र कुमार झा

**2.** "शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्" कहने छथि ?
(1) भामह (2) कुन्तक
(3) जगन्नाथ (4) जयदेव

**3.** 'भग्नक्रम' भेद थिक :
(1) ध्वनिक (2) रीतिक
(3) छन्दक (4) दोषक

**4.** 'कान्तासम्मित उपदेश' होइछ :
(1) काव्य-प्रभेद (2) काव्य-प्रयोजन
(3) काव्य-लक्षण (4) काव्य-हेतु

**5.** 'शब्दशक्ति'क प्रमुख भेद होइत अछि :
(1) एक (2) दू
(3) तीन (4) चारि

**6.** 'जुगुप्सा' स्थायीभाव थिक :
(1) वीभत्सक (2) शृंगारक
(3) रौद्रक (4) भयानकक

**7.** 'पाञ्चाली' भेद थिक :
(1) गुणक (2) रीतिक
(3) रसक (4) वक्रोक्तिक

**8.** "मदन दीप उरमे जरय, तदपि घटय नहि नेह ।
पजरल विरहक आगि हो, तदपि भस्म नहि देह ।।"
एहिमे अलंकार अछि :
(1) अनन्वय (2) प्रतीप
(3) निदर्शना (4) विशेषोक्ति

**9.** जतए एक शब्दक दू वा ओहिसँ अधिक अर्थ होइत अछि, ओतए अलंकार होइछ :

(1) अनुप्रास (2) वक्रोक्ति

(3) श्लेष (4) यमक

**10.** 'नाटिका' भेद होइछ :

(1) रूपकक (2) उपरूपकक

(3) नाटकक (4) प्रहसनक

**11.** 'दोहाकोश' अछि :

(1) बौद्ध साहित्य (2) पालि साहित्य

(3) प्राकृत साहित्य (4) सिद्ध साहित्य

**12.** 'वर्णरत्नाकर'क रचनाकाल अछि :

(1) एगारहम शताब्दी (2) बारहम शताब्दी

(3) तेरहम शताब्दी (4) चौदहम शताब्दी

**13.** 'पारिजातहरण'मे गीतक संख्या अछि :

(1) बीस (2) एकैस

(3) बाइस (4) तइस

**14.** मल्लवंशीय नाटककार छलाह :

(1) मिथिलामे (2) ओडिशामे

(3) नेपालमे (4) असममे

**15.** 'अंफीया नाट विवेचन' लिखने छथि :

(1) लक्ष्मण चौधरी 'ललित' (2) नवीन चन्द्र मिश्र

(3) रामदेव झा (4) शिवाकान्त ठाकुर

**16.** 'मुद्राराक्षस' अनूदित नाटक थिक :

(1) गोविन्द झाक (2) ईशनाथ झाक

(3) सुधाकर झा 'शास्त्री'क (4) सुरेन्द्र झा 'सुमन'क

**17.** 'विजेता विद्यापति'क रचनाकार छथि :

(1) सुधांशु 'शेखर' चौधरी (2) त्रिलोचन झा

(3) जगदीश प्रसाद मंडल (4) काञ्चीनाथ झा 'किरण'

**18.** 'हिस्ट्री ऑफ तिरहुत' लिखने छथि :

(1) श्यामनारायण सिंह (2) उपेन्द्र ठाकुर

(3) राधा कृष्ण चौधरी (4) जयकान्त मिश्र

**19.** शिवशंकर झा 'कान्त' सम्पादक-मंडलमे छथि :

(1) 'कविता-संग्रह'क (2) 'संकलन'क
(3) 'कथा-संग्रह'क (4) 'एकांकी-संग्रह'क

**20.** आरसी प्रसाद सिंहक पुस्तक 'साहित्य अकादेमी'सँ पुरस्कृत अछि :

(1) पूजाक फूल (2) माटिक दीप
(3) सूर्यमुखी (4) शेफालिका

**21.** मैथिलीक उत्पत्ति कहल गेल अछि :

(1) शौरसेनीसँ (2) पैशाचीसँ
(3) अर्द्धमागधीसँ (4) मागधीसँ

**22.** 'ङ'क उच्चारणस्थल थिक :

(1) नासिका (2) कण्ठ
(3) तालु (4) मूर्द्धा

**23.** अर्थ परिवर्तनक दिशा अछि :

(1) वर्ण विपर्यय (2) समीकरण
(3) अर्थ विस्तार (4) विषमीकरण

**24.** 'हाथ' शब्द अछि :

(1) तत्सम (2) तद्भव
(3) देशज (4) विदेशज

**25.** आकृतिमूलक वर्गीकरण होइछ :

(1) भाषाक (2) साहित्यक
(3) संगीतक (4) नाटकक

**26.** 'वस्तुनिष्ठ' लिखने छथि :

(1) उमेश मंडल (2) इन्दुधर झा
(3) दमन कुमार झा (4) अजीत मिश्र

**27.** 'बाजि उठल मुरली'क रचयिता छथि :

(1) कुलानन्द मिश्र (2) उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'
(3) केदार कानन (4) विवेकानन्द ठाकुर

**28.** 'चैतन्य चन्द्रायण'क प्रणयन कएलनि :

(1) रामचन्द्र मिश्र 'मधुकर' (2) गोपालजी झा 'गोपेश'
(3) मार्कण्डेय प्रवासी (4) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'

**29.** 'अहिरावण-वध' लिखने छथि :

(1) रवीन्द्र नाथ ठाकुर (2) अमरेन्द्र मिश्र
(3) यागेश्वर झा (4) रमण झा

**30.** प्रबोध नारायण सिंहक एकांकी अछि :

(1) प्रायश्चित (2) सिमरिया डूब

(3) हाथीक दाँत (4) प्रियंवदा

**31.** 'कुमार'क रचनाकार छथि :

(1) केदारनाथ चौधरी (2) उपेन्द्रनाथ झा 'व्यास'

(3) उषाकिरण खान (4) लिली रे

**32.** 'भाग्योदय' कथा-संग्रहक लेखक छथि :

(1) अशोक (2) श्याम दरिहरे

(3) वीरेन्द्र झा (4) धीरेन्द्र नाथ मिश्र

**33.** 'मिथिला लोकसंस्कृतिक संदर्भ' थिकनि :

(1) राजाराम प्रसादक (2) इन्द्रकान्त झाक

(3) प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'क (4) शिव प्रसाद यादवक

**34.** 'बहुवचन'क रचयिता छथि :

(1) विनोद कुमार झा (2) तारानन्द वियोगी

(3) मोहन भारद्वाज (4) रमानन्द झा 'रमण'

**35.** 'लीखि पठाओल आखर'मे पत्र प्रेषित अछि :

(1) जीवकान्तक नामसँ (2) प्रदीप बिहारीक नामसँ

(3) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'क नामसँ (4) भीमनाथ झाक नामसँ

**36.** 'शोधार्थी'क सम्पादक छथि :

(1) गजेन्द्र ठाकुर (2) शान्तिनाथ सिंह ठाकुर

(3) केष्कर ठाकुर (4) धनाकर ठाकुर

**37.** मधुकान्त झा लिखित अछि :

(1) तेसर बुद्ध (2) ममता जोगी

(3) चमेली रानी (4) अनुचिन्तन

**38.** कुमार गंगानन्द सिंहक कृति अछि :

(1) अगिलही (2) अगुरवान

(3) पथ हेरथि राधा (4) हमरा लग रहब ?

**39.** तन्त्रनाथ झाक रचना अछि :

(1) कविक स्वप्न (2) आब कहू मोन केहन लगैए ?

(3) कोकिल पुनि आउ (4) मुसरी झा

**40.** रघुनन्दन दासक महाकाव्य अछि :

(1) दत्त-वती (2) सुभद्राहरण

(3) रुक्मिणीहरण (4) राधा-विरह

**41.** लक्ष्मण झा लिखने छथि :

(1) गंगा (2) संन्यासी

(3) नोर (4) एकलव्य

**42.** बाबू साहेब चौधरीक नाटक अछि :

(1) बाढ़ि फेनो अओतैक (2) लौंगिया मिरचाइ

(3) कुहेस (4) सुनू जानकी

**43.** 'देश-काल'क लेखिका छथि :

(1) आशा मिश्र (2) नीता झा

(3) शेफालिका वर्मा (4) इन्दिरा झा

**44.** लिली रेक रचना अछि :

(1) अश्रुकण (2) प्रतिनिधि

(3) कचोट (4) लाली गुराँस

**45.** 'फॉक लिटरेचर ऑफ मिथिला'क रचना कएने छथि ?

(1) जयकान्त मिश्र (2) कृष्णकान्त मिस्र

(3) श्रीकृष्ण मिश्र (4) उमेश मिश्र

**निर्देश** : निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **46** सँ **50**)क उत्तर देबाक लेल बहु-विकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू :

पत्रक स्वस्थ विकास ओ पत्रकारिताक मर्यादा किंवा स्तरक रक्षा सामाजिक दायित्व थिक । पत्रकारिता मे व्यक्तिक आत्मप्रचारक कनेको स्थान नहि होएबाक चाही । यदि कोनो व्यक्ति आत्मप्रचारक लक्ष्यसँ पत्र बहार करैत अछि अथवा छल-बलसँ कोनो पत्रकेँ अपन वशमे कऽ बिना उचित प्रशिक्षणक स्वयंभू सम्पादक बनि बैसैत अछि तँ समाजकेँ ई बुझबाक चाहिऐक जे एहन पत्र ओकर अपेक्षित नहि भए सकैत छैक । असलमे, पत्रकारिताक चरम उद्देश्य होइत अछि जनाकांक्षाकपूर्त्तिक दिशामे ओकर मुँहक वाणीकेँ मुखरित करब । जँ कि मैथिलीक पत्र-पत्रिका एहि आदर्शसँ च्युत रहल अछि तेँ ने ओकर समुचित विकास सम्भव भेलैक अछि आ ने ओ जनमानसक अपनत्व प्राप्त कऽ सकल अछि । जनमानस अपनत्व प्राप्त कऽ लेनिहार पत्र अकाल कालकवलित भैये नहि सकैत अछि । पत्र-पत्रिकामे जँ कि सदा सुधारक सम्भावना बनल रहैत अछि तेँ सम्पादकीय स्खलनक अवसर पर प्रबुद्ध समाजक ई कर्त्तव्य चाही जे ओ ओहि स्खलनपर स्वयं दृष्टिपात करए आ ओही माध्यमसँ सम्पादकक त्रुटि निर्दिष्ट करय । एहि प्रक्रियासँ पत्रकारितामे स्वस्थताक सम्भावना बनल रहत । किन्तु मैथिली पत्रक स्तर परीक्षक एहन अजगुत मानदण्ड बनल अछि जे रोचक होयबाक संग-संग विनाशकारी सेहो अछि । हमर सड़लो कोनो लेख यदि पत्रमे कोनहुना छपिगेल तँ ओ पत्र स्तरीय भऽ गेल । यदि आन अंक निम्न स्तरीय अछियो तँ कमसँ-कम जाहि अंकमे हमर लेख अछि से धरि निश्चित रूपसँ स्तरीय अछि । संयोगसँ किंवा दुर्बल होयबाक कारण यदि हमर लेख नहि छापल गेल तँ ओ पत्रे सड़ल भऽ गेल । ततबे नहि, महिसा कानि धऽ कऽ ओहि पत्रक हम ततेक दुष्प्रचार करब जे ओहि पत्र पर घातक प्रभाव पड़ि जाइक । मैथिली पत्र-पत्रिकाकेँ कम विकयबामे इहो मानदण्ड एक तत्त्व रहल अछि जे निरन्तर सक्रिय रहैत आयल अछि । एहि प्रकारक व्यक्तिगत आमर्ष ओ अदूरदर्शिता मैथिलीक दुर्बल पड़ल पत्रकारिताकेँ आर दुर्बल बनयबामे सहायक भऽ रहल अछि । जे मौलिकतया सम्पादन जनैत अछि तकरा पर कोनो तरहक दबावकेँ न्यायसंगत नहि बुझबाक चाही ।

**46.** पत्रकारितामे कोनो स्थान नहि रहबाक चाही ?

(1) आत्मसम्मानक

(2) आत्मबोधक

(3) आत्मप्रचारक

(4) आत्मबलक

**47.** पत्रकारिताक मुख्य उद्देश्य होयबाक चाही :

(1) जनवाणीकेँ मुखरित करब

(2) सरकारी क्रियाकलापक समर्थन करब

(3) साहित्यकारक रचनाकेँ प्रकाशित करब

(4) सम्पादकक यशोगाना करब

**48.** पत्रकारिता अकाल काल-कवलित नहि भए सकैछ :

(1) जकर सम्पादकमे विद्वता छैक

(2) जकरा जनमानसक अपनत्व प्राप्त छैक

(3) जकरा धनक प्रचुरता छैक

(4) जकरा साधनक सम्पन्नता छैक

**49.** सम्पादकक त्रुटिक दिग्दर्शन करबाक अधिकार होएबाक चाहियनि :

(1) नेना लोकनिककेँ

(2) सम्पादक मंडलकेँ

(3) पत्रिकाक लेखककेँ

(4) प्रबुद्ध समाजकेँ

**50.** मैथिलीक पत्र-पत्रिकाकेँ दुर्वल बनयबाक कारण अछि :

(1) व्यक्तिगत आमर्ष

(2) अर्थाभाव

(3) लेखन सामग्रीक अभाव

(4) सम्पादकक कुशलताक अभाव

---

**Space For Rough Work**